www.prepp.in

This question paper contains 16 printed pages]

Prepp
Your Personal Exams Guide

HPAS (Main)—2016

HINDI (Compulsory)

(General Hindi)

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

निर्देश :—कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। प्रश्न क्रमांक **एक** (1) और **दो** (2) अनिवार्य हैं। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

It is interesting to know that the ancient Vedas have several references in them on environmental protection, ecological balance, weather cycles, rainfall phenomena, hydrologic cycle, and related subjects that directly indicate the high level of awareness of the seers and people of that time.

www.prepp.in

Ancient treasures of vast knowledge reveal a full cognizance of the undesirable effects of environmental degradation, whether caused by natural factors or human activities. The protection of the environment was understood to be closely related to the protection of the *dyaus* or heavens and *prithvi* or earth. Between these two lies the atmosphere and the environment that we refer to as the *paryavaran*. Many of the Rig Vedic hymns therefore vividly describe the *Dyava Prithvi* that is, they describe Heaven and Earth together.

The Rig Veda venerates deities like *Mitra*, *Varuna*, *Indra*, *Maruts* and *Aditya*, that are responsible for maintaining the requisite balance in the functioning of all entities of Nature whether the mountains, lakes, heaven and earth, the forests or the waters. Seers recognised that changes caused due to indiscreet human activities could result in imbalances in seasons, rainfall

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

patterns, crops and atmosphere and degrade the quality of water, air, and earth resources. There are many hymns seeking the blessings of the five basic gross elements or the pancha mahabhoota of Nature : *akash* or firmament, *vayu* or air, *agni*, *tejas* or fire, *apah* or water, and *prithvi* or earth.

अथवा

Holi is an important spring festival it is a playful cultural event and an excuse to throw coloured water at friends or strangers in jest. It is therefore observed broadly in the Indian subcontinent. Holi is celebrated at the end of winter, on the last full moon day of the Hindu luni-solar calendar month marking the spring, making the date vary with the lunar cycle. The date falls typically in March, but sometimes late February of the Gregorian calendar.

www.prepp.in

The festival has many purposes; most prominently, it celebrates the beginning of Spring. In 17th century literature, it was identified as a festival that celebrated agriculture, commemorated good spring harvests and the fertile land. Hindus believe it is a time of enjoying spring's abundant colours and saying farewell to winter. To many Holi festivities mark the beginning of the new year as well as an occasion to reset and renew ruptured relationships, end conflicts and rid themselves of accumulated emotional impurities from the past.

It also has a religious purpose, symbolically signified by the legend of Holika. The night before Holi, bonfires are lit in a ceremony known as Holika Dahan (burning of Holika) or Little Holi. People gather near fires, sing and dance. The next day, Holi, also known as *Dhuli* in Sanskrit, or *Dhulheti*, *Dhulandi* or *Dhulendi*, is

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

celebrated.. Children and youth spray coloured powder solutions (*gulal*) at each other, laugh and celebrate, while adults smear dry coloured powder (*abir*) on each other's faces.

2. (अ) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

बहुत लोग यह कहेंगे कि हमको पेट के धंधे के मारे छुट्टी ही नहीं रहती, बाबा, हम क्या उन्नति करें। तुम्हारा पेट भरा है तुम को दून की सूझती है। उसने एक हाथ से अपना पेट भरा दूसरे हाथ से उन्नति के काँटों को साफ़ किया। क्या इंग्लैण्ड में किसान, खेत वाले, गाड़ीवान, मजदूर, कोचवान आदि नहीं हैं ? किसी देश में सभी पेट भरे हुए नहीं होते, किन्तु वे लोग जहाँ खेत जोतते-बोते हैं वहीं उसके साथ यह भी सोचते हैं कि ऐसी कौन नई कल मसाला बनावें जिससे इस खेत में आगे से दूना अनाज उपजे। विलायत में गाड़ी के कोचवान भी अखबार पढ़ते हैं। जब मालिक उतरकर

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

किसी दोस्त के यहाँ गया उसी समय कोचवान ने गद्दी के नीचे से अखबार निकाला। यहाँ उतनी देर कोचवान हुक्का पिलाएगा या गप्प करेगा। सो गप्प भी निकम्मी। वहाँ के लोग गप्प ही में देश के प्रबंध छाँटते हैं।

अथवा

आदमियों की तिजारत करना मूर्खों का काम है। सोने और लोहे के बदले मनुष्य को बेचना मना है। आजकल भाप की कलों का दाम तो हज़ारों रुपया है; परन्तु मनुष्य कौड़ी के सौ–सौ बिकते हैं। सोने और चाँदी की प्राप्ति से जीवन का आनंद नहीं मिल सकता। सच्चा आनंद तो मुझे मेरे काम से मिलता है। मुझे अपना काम मिल जाए तो फिर स्वर्गप्राप्ति की इच्छा नहीं, मनुष्य पूजा ही सच्ची ईश्वर पूजा है। मंदिर और गिरजे में क्या रखा है ? ईंट, पत्थर, चूना, कुछ भी कहो–ईश्वर की तलाश आज से हम अपने मंदिर, मस्जिद, गिरजा और पोथी में न करेंगे। अब तो यही इरादा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

है कि मनुष्य की अनमोल आत्मा में ईश्वर के दर्शन करेंगे यही आर्ट है–यही धर्म है। मनुष्य के हाथ से ही ईश्वर के दर्शन करने वाले निकलते हैं। बिना काम, बिना मजदूरी, बिना हाथ के कला के सभी विचार और चिंतन किस काम के! सभी देशों के इतिहासों से सिद्ध है कि निकम्मे पादरियों, मौलवियों, पंडितों और साधुओं का, दान के अन्न पर पला हुआ ईश्वर–चिंतन, अंत में पाप, आलस्य, और भ्रष्टाचार में परिवर्तित हो जाता है। जिस देशों में हाथ और मुँह पर मजदूरी की धूल नहीं पड़ने पाती वे धर्म और कला–कौशल में कभी उन्नति नहीं कर सकते।

(ब) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

'जय हो' जग में जले जहाँ भी, नमन पुनीत अनल को,
जिस नर में भी बसे, हमारा नमन तेज को, बल को।
किसी वृन्त पर खिले विपिन में, पर, नमस्य है फूल,
सुधी खोजते नहीं, गुणों का आदि, शक्ति का मूल।

www.prepp.in

ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप-त्याग।

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से,
प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला,
स्वतंत्रता पुकारती॥
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो।
प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो बढ़े चलो॥
असंख्य कीर्ति रश्मियाँ,
विकीर्ण दिव्य दाह-सी।
सपूत मातृभूमि के,
रुको न शूर साहसी॥
अराति सैन्य सिन्धु में, सुबाड़वाग्नि से जलो।
प्रवीर हो जयी बनो, बढ़े चलो बढ़े चलो।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

3. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किन्हीं **दस** को स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 20

(1) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना

(2) अक्ल का चरने जाना

(3) अपना हाथ जगन्नाथ

(4) सौ सुनार की एक लुहार की

(5) अधजल गगरी छलकत जाय

(6) नाँच ना जाने आँगन टेढ़ा

(7) ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी

(8) घर का भेदी लंका ढाए

(9) अपनी डफली अपना राग

(10) आगे कुआँ पीछे खाई

(11) आ बैल मुझे मार

P.T.O.

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

(12) आम खाने हैं या पेड़ गिनने

(13) अँधेरे घर का उजाला

(14) ओखली में सिर दिया तो मूसली से क्या डर

(15) अपना उल्लू सीधा करना।

4. (अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए : 10

(1) पंकज

(2) विवाह

(3) सूर्य

(4) मंदिर

(5) विद्यालय

(6) उत्कर्ष

(7) जलज

(8) चाँद

(9) जल

(10) आकाश।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(ब) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : 10

(1) धरती और आकाश के बीच का स्थान

(2) जिसका कोई अर्थ न हो

(3) जिस पर आक्रमण न किया गया हो

(4) जिसे जीता न जा सके

(5) बिना वेतन काम करने वाला

(6) जिसका जन्म पहले हुआ हो

(7) दोपहर के बाद का समय

(8) जो पराजित न किया जा सके

(9) अधिक बढ़ा-चढ़ा कर कहना

(10) जिसका परिहार न हो।

5. (अ) निम्नलिखित अनेकार्थ शब्दों के **दो-दो** अर्थ लिखिए : 10

(1) आत्मा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(2) कनक

(3) अलि

(4) द्रव्य

(5) वाणी।

(ब) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए : 10

(1) अनुज

(2) आगामी

(3) उत्थान

(4) उत्तम

(5) आदर्श

(6) सजीव

(7) कृतज्ञ

(8) रक्षक

(9) सरस

(10) दुर्लभ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

6. (अ) निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 10

(1) पत्थर

(2) आम

(3) कीड़ा

(4) चाँद

(5) घी

(6) हाथ

(7) साँप

(8) दही

(9) जीभ

(10) दीया।

(ब) निम्नलिखित पाँच शब्द-युग्मों के अर्थ लिखिए : 10

(1) अनल-अनिल

(2) अमूल-अमूल्य

www.prepp.in

(3) अचार–आचार

(4) व्रत–वृत्त

(5) पथ–पथ्य

(6) बेर–बैर

(7) व्याध–व्याधि।

7. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के उपसर्ग अलग करते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि उपसर्ग के प्रयोग से मूल शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन हुआ है : 10

(1) अधिनायक

(2) उपमंत्री

(3) निर्जन

(4) प्रस्थान

(5) संतुष्ट

(6) सुशिक्षित

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(7) अनमोल

(8) दुष्कर

(9) बदौलत

(10) अत्यंत।

(ब) किन्हीं पाँच शब्दों के हिंदी में अर्थ लिखिए : 10

(1) Facilitator

(2) Processing

(3) Motivate

(4) Collaborate

(5) Supervise

(6) Interaction

(7) Equipment

(8) Demonstrate

(9) Budget

(10) Inventory.

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 20

(1) तुम बड़ा आगे बढ़ गया।

(2) उसकी अक्ल चक्कर खा गई।

(3) मैं दर्शन देने आया था।

(4) उसे भारी दुःख हुआ।

(5) मैंने तेरे को कितना समझाया।

(6) कुत्ता रेंकता है।

(7) मैं पुस्तक को पढ़ता हूँ।

(8) मुझे बहुत आनंद आती है।

(9) महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।

(10) उसने संतोष का साँस ली।